

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 30 September 2026

‘काश मैं भी मारा जाता’, ऑपरेशन सिंदूर में परिवार के 14 लोगों की मौत पर फूट-फूटकर रोया आतंकी मसूद अजहर ।

Publisher

Published on 07 May 2025



भारत ने ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान और पीओके में आतंकवादी कैपों पर जवाबी हमले किए और कई आतंकियों को मौत के घाट उतार दिया.

पहलगाम आतंकी हमले का बदला लेते हुए भारतीय सेना ने पाकिस्तान और पीओके में आतंकी अड्डों को मिट्टी में मिला दिया. ऑपरेशन सिंदूर के तहत की गई इस कार्रवाई में मोस्ट वॉन्टेड आतंकी मसूद अजहर के परिवार के 14 लोग भी मारे गए हैं. आतंकी मसूद अजहर ने चिट्ठी जारी करते हुए कहा कि दिल करता है कि काश मैं भी इस हमले में मर जाता.

पाकिस्तान के बहावलपुर में भारतीय हवाई हमलों में जैश-ए-मोहम्मद प्रमुख मसूद अजहर की बहन भी मारी गई है. घोषित आतंकवादी के रिश्तेदार भी हमलों में मारे गए. भारतीय सेना ने पाकिस्तान के पंजाब और पीओके में आतंकवादी शिविरों पर हमला किया. अधिकारियों ने बताया कि पंजाब में 4 और पीओके में 5 ठिकानों पर हमला किया गया.

मसूद अजहर के परिवार को आज ही दफनाया जाएगा

जैश-ए-मोहम्मद ने बयान जारी करते हुए कहा कि मौलाना मसूद अजहर की बड़ी बहन के साथ मौलाना कशफ का पूरा परिवार मारा गया है. मुफ्ती अब्दुल रऊफ के पोते पोतियां. बाजी सादिया के पति समेत सबसे बड़ी बेटी के 4 बच्चे घायल हुए हैं. ज्यादातर महिलाएं और बच्चे मारे गए हैं. आतंकी अजहर के परिवार के सदस्यों और करीबियों को आज बुधवार (07 मई, 2025) को ही दफनाया जाएगा.

बीबीसी उर्दू ने जैश-ए-मोहम्मद प्रमुख के बयान का हवाला देते हुए बताया कि अजहर का एक करीबी सहयोगी, उसकी मां और दो अन्य करीबी सहयोगी भी भारतीय हमलों में मारे गए. ऑपरेशन सिंदूर के तहत बहावलपुर में सुभान अल्लाह परिसर पर भी हमला

किया गया था.

भारतीय सेना ने पेश किए हमले के सबूत

तबाह किए गए ठिकानों के सबूत पेश करते हुए कर्नल सोफिया कुरैशी ने कहा, “वीडियो में तबाह किए गए आतंकी शिविरों को दिखाया गया है, जिसमें मुरीदके भी शामिल हैं, जहां 2008 के मुंबई आतंकी हमलों में शामिल अजमल कसाब और डेविड हेडली ने ट्रेनिंग ली थी.”

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsoever.